SATISH SCIENCE ACADEMY

DHANORI PUNE-411015

HINDI

Class 10 - हिंदी ए

Time Allowed: 3 hours **Maximum Marks: 80**

General Instructions:

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख्ती से अनुपालन कीजिए :

- इस प्रश्नपत्र में कुल 15 प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- इस प्रश्नपत्र में कुल चार खंड हैं- क, ख, ग, घ।
- खंड-क में कुल 2 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 10 है।
- खंड-ख में कुल 4 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 20 है। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए 16 उपप्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।
- खंड-ग में कुल 5 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 20 है।
- खंड-घ में कुल 4 प्रश्न हैं, सभी प्रश्नों के साथ उनके विकल्प भी दिए गए हैं।
- प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए लिखिए ।

खंड क - अपठित बोध

1. **निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -** **[7]**

मैं यह नहीं मानता कि समृद्धि और आध्यात्म एक-दूसरे के विरोधी हैं या भौतिक वस्तुओं की इच्छा रखना कोई गलत सोच है। उदाहरण के तौर पर, मैं खुद न्यूनतम वस्तुओं का भोग करते हुए जीवन बिता रहा हूँ, लेकिन मैं सर्वत्र समृद्धि की कद्र करता हूँ, क्योंकि समृद्धि अपने साथ सुरक्षा तथा विश्वास लाती है, जो अंततः हमारी आज़ादी को बनाए रखने में सहायक है। आप अपने आस-पास देखेंगे तो पाएँगे कि खुद प्रकृति भी कोई काम आधे-अधूरे मन से नहीं करती। किसी बगीचे में जाइए। मौसम में आपको फूलों की बहार देखने को मिलेगी। अथवा ऊपर की तरफ ही देखें, यह ब्रह्माण्ड आपको अनंत तक फैला दिखाई देगा, आपके यकीन से भी परे। जो कुछ भी हम इस संसार में देखते हैं वह ऊर्जा का ही स्वरूप है। जैसा कि महर्षि अरविंद ने कहा है कि हम भी ऊर्जा के ही अंश हैं। इसलिए जब हमने यह जान लिया है कि आत्मा और पदार्थ दोनों ही अस्तित्व का हिस्सा हैं, वे एक-दूसरे से पूरा तादात्म्य रखे हुए हैं तो हमें यह एहसास भी होगा कि भौतिक पदार्थों की इच्छा रखना किसी भी दृष्टिकोण से शर्मनाक या गैर-आध्यात्मिक बात नहीं है।

1. कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए:

कथन (A): भौतिक वस्तुओं की इच्छा रखना आध्यात्मिक सोच के विरुद्ध है।

कारण (R): आत्मा और पदार्थ दोनों ही अस्तित्व के अभिन्न हिस्से हैं।

विकल्प:

i. कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

ii. कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

iii. कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

iv. कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

2. निम्नलिखित में से कौन-से कथन सही हैं?

I. समृद्धि अपने साथ सुरक्षा और विश्वास लाती है।

II. प्रकृति हर काम आधे-अधूरे मन से करती है।

III. भौतिक पदार्थों की इच्छा रखना गैर-आध्यात्मिक बात नहीं है।

IV. आत्मा और पदार्थ अस्तित्व के अलग-अलग हिस्से हैं।

SATISH SCIENCE ACADEMY

विकल्प:

i. कथन I और III सही हैं।

ii. कथन I, II और IV सही हैं।

iii. कथन II और IV सही हैं।

iv. कथन I, III और IV सही हैं।

3. नीचे दिए गए कॉलम 1 को कॉलम 2 से सुमेलित करें और सही विकल्प का चयन करें:

कॉलम 1	**कॉलम 2**
I. समृद्धि	1. सुरक्षा और विश्वास लाती है।
II. प्रकृति	2. ऊर्जा का स्वरूप है।
III. आत्मा और पदार्थ	3. अस्तित्व के अभिन्न हिस्से हैं।

विकल्प:

i. I (1), II (3), III (2)

ii. I (1), II (2), III (3)

iii. I (2), II (1), III (3)

iv. I (3), II (2), III (1)

उत्तर: ii. I (1), II (2), III (3)

4. भौतिक वस्तुओं की इच्छा के बारे में लेखक का क्या मत है? (2)

5. लेखक ने प्रकृति का क्या स्वभाव बताया है? (2)

2. **निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:** **[7]**

कोलाहल हो,
या सन्नाटा, कविता सदा सृजन करती है,
जब भी आँसू
कविता सदा जंग लड़ती है।
यात्राएँ जब मौन हो गईं
कविता ने जीना सिखलाया
जब भी तम का
जुल्म चढ़ा है, कविता नया सूर्य गढ़ती है,
जब गीतों की फ़सलें लुटती
शीलहरण होता कलियों का,
शब्दहीन जब हुई चेतना हुआ पराजित,
तब-तब चैन लुटा गलियों का जब भी कर्ता हुआ अकर्ता,
जब कुरसी का
कंस गरजता, कविता स्वयं कृष्ण बनती है।
अपने भी हो गए पराए कविता ने चलना सिखलाया।
यूँ झूठे अनुबंध हो गए
घर में ही वनवास हो रहा
यूँ गूंगे संबंध हो गए।

1. जब निराशा और अंधकार पाँव पसारते हैं तब प्रेरणा कहाँ से मिलती है? (1)

i. स्वयं से

ii. समस्याओं से

SATISH SCIENCE ACADEMY

iii. लोगों से

iv. कविता से

2. कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए:

कथन (A): काव्यांश में कविता का रूप निरंतर संघर्ष और सृजन से संबंधित दिखाया गया है।

कारण (R): कविता ने हमेशा कठिनाइयों और चुनौतियों का सामना करते हुए मानवता को संघर्षों से पार करने की प्रेरणा दी है।

विकल्प:

i. कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

ii. कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

iii. कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

iv. कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

3. काव्यांश में कविता के बारे में निम्नलिखित कथनों में से कौन सा सही है?

I. कविता ने मनुष्यता को संघर्षों और कठिनाइयों का सामना करने की प्रेरणा दी है।

II. कविता की भूमिका केवल समय और स्थान की शांति को व्यक्त करने की है।

III. काव्यांश में कविता का प्रतिनिधित्व संघर्ष और सृजन के रूप में किया गया है।

IV. कविता केवल सकारात्मक दृष्टिकोण से संबंधित है और इसे चुनौतियों से नहीं जोड़ता।

विकल्प:

i. कथन I और III सही हैं।

ii. कथन II और IV सही हैं।

iii. केवल कथन I सही है।

iv. कथन III और IV सही हैं।

4. 'कविता सदा जंग लडती है' - पंक्ति का भाव क्या है? (2)

5. कविता जीना कब सिखाती है? (2)

खंड ख - व्यावहारिक व्याकरण

3. निम्नलिखित में से **किन्हीं चार** का निर्देशानुसार उत्तर लिखिए: **[4]**

i. मुझे अपनी पत्नी और पुत्र की मृत्यु के साथ ही फ़ादर के शब्दों से झरती शांति भी याद आ रही है। **(संयुक्त वाक्य में बदलिए)**

ii. रात हुई और आकाश में तारों के असंख्य दीप जल उठे। **(सरल वाक्य में बदलिए)**

iii. माँ ने कहा की **शाम को जल्दी घर आ जाना**। **(रेखांकित उपवाक्य का भेद लिखिए)**

iv. पान वाले के लिए यह मज़ेदार बात थी लेकिन हालदार साहब के लिए चकित कर देने वाली। **(मिश्र वाक्य में बदलिए)**

v. उसने कहा कि मैं गुजराती हूँ। (सरल वाक्य)

4. **निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं चार वाक्यों का निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तन कीजिए - (1x4=4)** **[4]**

i. स्वाधीनता की चेतना विकसित करने के लिए स्वदेशी चिंतन को व्यापक बनाया गया। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

ii. हालदार साहब नहीं रुके। (भाववाच्य में बदलिए)

iii. फादर रिश्ते बनाकर तोड़ते नहीं थे। (कर्मवाच्य में बदलिए)

iv. अध्यापिका द्वारा आज हमें नया पाठ पढ़ाया गया। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

v. श्यामा द्वारा सुबह-दोपहर के राग बखूबी पाए जाते हैं। (कर्तृवाच्य में)

5. **निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं चार रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए- (1x4=4)** **[4]**

i. पानवाला नया पान खा रहा था।

ii. यह साइकिल मेरे बड़े भाई की है।

iii. माँ की याद आती है।

iv. मधुर गान तो सदा ही सुनने को मिलते।

v. वह बच्चा बहुत योग्य है।

6. निम्नलिखित काव्यांशों के अलंकार भेद पहचान कर लिखिए- (किन्हीं चार) **[4]**

SATISH SCIENCE ACADEMY

i. देख लो साकेत नगरी है यही,
स्वर्ग से मिलने गगन जा रही है।

ii. कल्पना सी अतिशय कोमल।

iii. जनम सिन्धु विष बन्धु पुनि, दीन मलिन सकलंक सिय मुख समता पावकिमि चन्द्र बापुरो रंक।।

iv. "सखि सोहत गोपाल के, उर गुंजन की माल।
बाहर लसत मनो पिये, दावानल की ज्वाल।।"

v. दुख है जीवन-तरु के मूल।

खंड ग - गद्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

7. **Read the text carefully and answer the questions:** **[5]**

कार्तिक आया नहीं कि बालगोबिन भगत की प्रभातियाँ शुरू हुईं, जो फागुन तक चला करतीं। इन दिनों वह सबेरे ही उठते। न जाने किस वक्त जगकर वह नदी-स्नान को जाते-गाँव से दो मील दूर! वहाँ से नहा-धोकर लौटते और गाँव के बाहर ही, पोखरे के ऊँचे भिंडे पर, अपनी खँजड़ी लेकर जा बैठते और अपने गाने टेरने लगते। मैं शुरू से ही देर तक सोने वाला हूँ, किंतु एक दिन, माघ की उस दाँत किटकिटाने वाली भोर में भी, उनका संगीत मुझे पोखरे पर ले गया था। अभी आसमान के तारों के दीपक बुझे नहीं थे। हाँ, पूरब में लोही लंग गई थी, जिसकी लालिमा को शुक्र तारा और बढ़ा रहा था।

खेत, बगीचा, घर-सब पर कुहासा छा रहा था। सारा वातावरण अजीब रहस्य से आवृत्त मालूम पड़ता था। उस रहस्यमय वातावरण में एक कुश की चटाई पर पूरब मुँह, काली कमली ओढ़े, बालगोबिन भगत अपनी खँजड़ी लिए बैठे थे। उनके मुँह से शब्दों का ताँता लगा था, उनकी अँगुलियाँ खँजड़ी पर लगातार चल रही थीं। गाते-गाते इतने मस्त हो जाते, इतने सुरूर में आते, उत्तेजित हो उठते कि मालूम होता, अब खड़े हो जाएँगे। कमली तो बार-बार सिर से नीचे सरक जाती। मैं जाड़े से कँपकँपा रहा था, किंतु तारे की छाँव में भी उनके मस्तक के श्रमबिंदु, जब-तब, चमक ही पड़ते।

(a) बालगोबिन भगत गाँव से कितनी दूर नदी-स्नान करने जाते थे?

a) एक मील दूर | b) गाँव के पास ही
c) दो मील दूर | d) चार मील दूर

(b) वातावरण को रहस्यमयी क्यों कहा गया है?

a) कँपकँपी सर्दी के कारण | b) इनमें से कोई नहीं
c) स्पष्ट रूप से दिखाई देने के कारण | d) कोहरे की ओट में स्पष्ट दिखाई न देने के कारण

(c) गद्यांश के आधार पर बताइए कि रहस्यमयी वातावरण में बालगोबिन भगत क्या कर रहे थे?

a) सभी विकल्प सही हैं | b) पूरब दिशा की ओर मुँह करके गा रहे थे
c) कुश की चटाई पर बैठे थे | d) काली कमली ओढ़ी थी

(d) बालगोबिन भगत की प्रभाती कार्तिक मास से आरंभ होकर कब तक चलती थी?

a) इनमें से कोई नहीं | b) चैत्र मास तक
c) कार्तिक मास तक ही | d) फागुन मास तक

(e) मैं जाड़े से कँपकँपा रहा था में **मैं** शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुआ है?

a) पतोहू के लिए | b) इनमें से कोई नहीं
c) लेखक के लिए | d) बालगोबिन भगत के लिए

8. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:** **[6]**

(a) हालदार साहब आते-जाते हुए नेताजी की मूर्ति पर चश्मा देख प्रसन्न और उसे न देख दुखी होते थे पर उन्होंने स्वयं कोई कदम नहीं उठाया। इस कथन से आपके मन में हालदार साहब के प्रति क्या विचार उभरते हैं? आप उनकी जगह होते तो क्या करते? **[2]**

(b) मन्नू भंडारी के स्वभाव की दो विशेषताएँ पाठ के आधार पर लिखिए। **[2]**

(c) **लखनवी अंदाज़** पाठ का लेखक, डिब्बे में नवाब साहब की उपस्थिति से असहज क्यों हो गया? **[2]**

(d) किन महत्वपूर्ण आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए सुई-धागे का आविष्कार हुआ होगा? **[2]**

खंड ग - काव्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

9. **Read the text carefully and answer the questions:** **[5]**

सीवन को उधेड़ कर देखोगे क्यों मेरी कंथा की?
छोटे से जीवन की कैसे बड़ी कथाएँ आज कहूँ?
क्या यह अच्छा नहीं कि औरों की सुनता मैं मौन रहूँ?
सुनकर क्या तुम भला करोगे मेरी भोली आत्म-कथा?
अभी समय भी नहीं, थकी सोई है मेरी मौन व्यथा।

(a) कवि ने अपने जीवन को कैसा बताया है?

a) बड़ा
b) छोटा
c) भरा हुआ
d) बच्चा

(b) कवि ने किसे संजो कर रखा है?

a) अपने जीवन को
b) नई यादों को
c) पुरानी यादों को
d) बड़ी कथाओं को

(c) कवि आत्मकथा क्यों नहीं लिखना चाहता?

a) क्योंकि वह बहुत खुश है
b) क्योंकि उसका जीवन सुख से भरा हुआ है
c) क्योंकि उसने जीवन में कोई उपलब्धि प्राप्त नहीं की
d) क्योंकि उसका मन नहीं है

(d) पद्यांश में कवि ने किसे अच्छा माना है?

a) अपने दुःख को
b) अपनी आत्मकथा लिखने को
c) अपने जीवन को
d) दूसरों की आत्मकथा सुनने को

(e) **थकी सोई है मेरी मौन व्यथा**- कवि ने ऐसा क्यों कहा है?

a) क्योंकि वे अपने दुखद क्षणों को याद करना चाहते हैं
b) क्योंकि वे स्वयं बहुत सुखी हैं
c) क्योंकि वे अपने मित्रों को खुश देखना चाहते हैं
d) क्योंकि वे अपने अतीत को कुरेद कर दुखी नहीं होना चाहते

10. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:** **[6]**

(a) **अट नहीं रही है** कविता में कवि ने प्रकृति की व्यापकता का वर्णन किन रूपों में किया है ? **[2]**

(b) नागार्जुन की कविता के आधार पर **फ़सल** के किन्हीं दो रूपों को अपने शब्दों में समझाइए। **[2]**

(c) संगतकार द्वारा स्थायी को सँभालने को स्पष्ट कीजिए। **[2]**

(d) 'सुनत जोग लागत है ऐसौ, ज्यों करुई ककरी' पंक्ति में गोपियों के कैसे मनोभाव दर्शाए गए हैं? **[2]**

खंड ग - कृतिका (पूरक पाठ्यपुस्तक)

11. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिए:** **[8]**

(a) भोलानाथ और उसके साथियों के खेल, वर्तमान खेलों की अपेक्षा मूल्यों का विकास करने में अधिक सहायक थे । **माता का अंचल** पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए। **[4]**

(b) **मैं क्यों लिखता हूँ** पाठ से हम एक लेखक की रचना-प्रक्रिया से परिचित होते हैं और लेखन के गुर सीखते हैं। पाठ के संदर्भ में कथन की व्याख्या कीजिए। **[4]**

(c) **साना-साना हाथ जोड़ि** पाठ के आधार पर लिखिए कि **खेदुम** क्या है? इसके बारे में गेंगटोकवासियों का क्या विश्वास है? **[4]**

SATISH SCIENCE ACADEMY

क्या उन्हें सही माना जा सकता है? तर्कसंगत उत्तर दीजिए।

खंड घ - रचनात्मक लेखन

12. **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:** **[6]**

(a) **कंप्यूटर हमारा मित्र** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **[6]**

- क्या है
- विद्यार्थियों के लिए उपयोग
- सुझाव

(b) **शहरी जीवन : कल्पना और यथार्थ** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **[6]**

- शहरी जीवन की कल्पना; सफाई, सुंदरता, आदि की कल्पना और वास्तविक स्थिति
- शहर और गाँव के जीवन में अन्तर
- शहर में रहने के लाभ एवं हानि

(c) **जब आवत संतोष धन, सब धन धूरि समान** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **[6]**

- मानव इच्छाओं का कोई अंत नहीं
- संतोष धन ही सच्चा धन
- संतुष्टि और प्रसन्नता
- लालसा नियंत्रण

13. आप रजनी/राजन हैं। आपके विद्यालय की पत्रिका **प्रखर** के लिए छात्र संपादक की नियुक्ति होनी है। आप उत्त पद के योग्य हैं। इस पद के लिए प्रधानाचार्य को संबोधित कर लगभग **80** शब्दों में अपना एक संक्षित्त स्ववृत्त तैयार कीजिए। **[5]**

OR

छात्रावास में रहने वाला आपका मित्र पैसों का अपव्यय करता रहता है। इससे उसका आहार-विहार और चरित्र प्रभावित हो रहा है। उसे यह आदत त्यागने की प्रेरणा देते हुए पत्र लिखिए।

14. स्वास्थ्य मंत्रालय, दिल्ली के निदेशक को कंप्यूटर टाइपिस्ट के लिए स्ववृत सहित आवेदन-पत्र लिखिए। **[5]**

OR

विद्यालय से दो दिन के अवकाश हेतु प्रधानाचार्य abcschool@gmail.com को एक ईमेल लिखिए क्योंकि आपको बुखार आ गया है।

15. आपके क्षेत्र में मिट्टी के बर्तन बनाने वाले उद्योग को फिर से शुरू किया गया है। उसके प्रचार के लिए 50 शब्दों का एक विज्ञापन तैयार कीजिए। **[4]**

OR

रक्षा-बंधन के अवसर पर भाई/बहन को लगभग 60 शब्दों में बधाई-संदेश लिखिए।

SATISH SCIENCE ACADEMY